राज्यमसभा

अतारांकित प्रश्ना संख्या 1178

6 मई, 2015 को उत्तयर के लिए

इस्पात की मांग और आपूर्ति के बीच अन्तर

1178. श्रीमती शशीकला पुष्पा:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क): क्या देश में इस्पात की मांग और आपूर्ति के बीच भारी अन्तर है, जिसके परिणामस्वरूप आयतित इस्पात पर निर्भर रहना पड़ता है यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख): क्या सरकार ने लौह अयस्क के निर्यात को रोकने के लिए इस्पात पर निर्यात शुल्क बढ़ा दिया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग): क्या सरकार इन सभी पहलुओं पर विचार करने के लिए एक नई राष्ट्रीय इस्पात नीति लाने का विचार रखती है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तगर

इस्पातऔर खान राज्यमंत्री **(श्री विष्णुदेव साय)**

(क): जी नहीं।

(ख): सरकार ने इस्पाित पर कभी भी कोई निर्यात शुल्क नहीं लगाया है। यह भी उल्ले ख किया जा सकता है कि इस्पाात पर निर्यात शुल्कभ लगाने से लौह अयस्क का निर्यात किसी भी प्रकार से नहीं रुक सकता। जहां तक लौह अयस्कय का संबंध है , यह उल्लेख किया जा सकता है कि सरकार इस पर 30 प्रतिशत निर्यात शुल्कस क्रमिक रूप से लगा रही है।

(ग): जी हॉ। नई राष्ट्री य इस्पाबत नीति तैयार होने की प्रारूप अवस्थाज में है।

***